JVPAS

JAN VIKAS PARISHAD EVAM ANUSANDHAN SANSTHAN

Bilaspur CHHATTISGARH, 495001
Email –jvpas2001@gmail.com www.jvpas.org.in

ANNUAL REP0RT – 2020

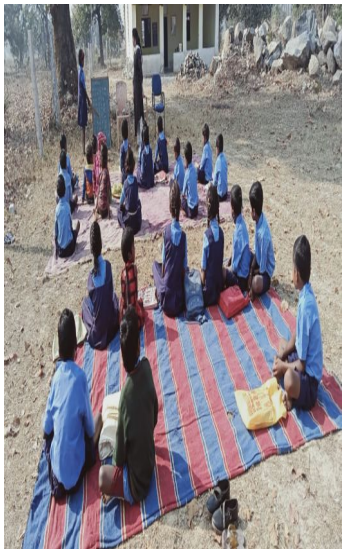

संस्थान का उदेश्य –

1. संस्था समस्त निःशक्ताओं के मूल्याकन,सर्वागीण विकास ,शिक्षा ,प्रशिक्षण ,रोजगार एवं पूर्ण पुनर्वास हेतू कार्य करेगी।

2. संस्था द्वारा महिला शिक्षा ,प्रशिक्षण ,व्यावसायिक तथा सामाजिक उत्थान एवं महिला उत्पीड़न के क्षेत्र में कार्य किया जायेगा और समाज में महिला को समान अवसर और दर्जा देने का पूर्ण प्रयास करेगी।
3. संस्था शिक्षा व रोजगार उन्मुखीकरण के क्षेत्र में अति निम्न से लेकर समाज के उच्च वर्ग तक अनौपचारिक शिक्षा ,शाालेय शिक्षा ,उच्चतर शालेय शिक्षा तथा व्यावसायिक ,प्रशिक्षण के क्षेत्र में विशेष रूप से सेवाए प्रतिपादित करेगी।
4. निराश्रित छात्रों के सर्वांगीण विकास हेतु शिक्षा, प्रशिक्षण ,रोजगार एवं छात्रावास सुविधा प्रदान करने का प्रयास करेगी।
5. शासन,प्रशासन द्वारा जन सामान्य में लोक व्यापीकरण के लिए विशेष प्रचार– प्रसार हेतु पत्र– पत्रिका आदि प्रकाशन एवं क्रियान्वयन करना।
6. अनुसूचित जाति ,जनजाति तथा पिछडी जाति के क्षेत्रों में विस्तृत समुचित ग्रामीण विकास कार्यक्रम चलाना
7. संस्था स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में जैसे शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य क्षेत्र में अहम ! भूमिका (सेवाए)प्रदान करेगी जिसमें एड्स,कैंसर,कुष्ठ पीड़ित ,मधुमेह ,नशा मुक्ति ,मिर्गी ,शिशु स्वास्थ्य परिवार नियोजन तथा अन्य सहस्त्र बिमारियों के लिए सेवाए प्रदान करेंगी।
8. संस्थान व्यवसायिक प्रशिक्षण जैसे –तकनीकि शिक्षा ,संचार सूचना प्रौघोगिकी,अपरांपरिक उर्जा स्रोतउ,लघु उघोग कृषि, पशुपालन एवं ग्रामीण उघोग को बढ़ावा देना ।
9. सामाजिक आर्थिक विकास हेतू जैसे –राष्ट्रीय महिला कोष ,बैंक ,नाबार्ड इत्यादि से आंतरिक ऋण प्राप्त कर संचालन करना

संस्थान अपने उददेश्यों की पूर्ति के लिए निम्न कार्यक्रमों का संचालन कर रही है–

निःशक्त जनों के सर्वागीण विकास के लिए शिक्षा एवं व्यासायिक प्रशिक्षण का कार्यक्रम का संचालन कर रही है जिसमें प्रमुख रूप से निम्न है–

निःशक्तजनों के पुर्नवास हेतू आवासीय व्यावयायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण केन्द्र का संचालन–

संस्थान द्वारा सभी प्रकार के निःशक्तजनों के सर्वागीण विकास के लिए आवासीय व्यावसायिक शिक्षा व प्रशिक्षण केन्द्र का संचालन बिलासपुर एवं गौरेला विकासखण्ड में संचालन कर रही है । व्यावसायिक प्रशिक्षण केन्द्र में निःशक्तजनों को उसकी योग्यता के अनुसार कार्यक्षमता की काउन्सिलिग पश्चात विभिन्न ट्रेडों के अर्न्तगत् उन्हे कौशल सिखाया जाता है।

इन ट्रेडो में दोना पत्तल मशीन द्वारा दोना एवं प्लेट का निर्माण , एल.ई.डी व्लब बनाना ,टेली डाटा के तहत कम्प्युटर द्वारा एकाउन्टिग सिखाया जाता है। इसके आलावा अन्य क्षमतावर्द्धक व्यावसायिक शिक्षा दी जाती है। संस्थान द्वारा विभिन्न व्यावसायिक ट्रेडों में 60 बच्चे लाभांवित हो चुके है।

ग्रामीण एवं आदिवासी वनांचल क्षेत्रों में शिक्षा प्रदान करने शिक्षा केन्द्र का संचालन –

वन टीचर स्कूल (एकल विघालय) का संचालन –

संस्थान द्वारा आदिवासी अंचल में वन टीचर स्कूल का संचालन किया जा रहा है जिसे कम्युनिटी लर्निग सेनटर के नाम से पुकारा जाता है। जहां गरीब बच्चे जिनकी उम्र 06 से 14 वर्ष तक है , के बच्चों को निःशुल्क शिक्षा प्रदान किया जाता है। इन बच्चों को खेल – खेल के माध्यम से शिक्षा दिया जाता है। यह कार्यक्रम पाली विकाखण्ड जिला कोरबा के 5 गांव पोडी उपरोडा विकासखण्ड जिला कोरबा के 6 गाव कसडोल विकासखण्ड जिला बलौदा

बाजार के 2 गांव तथा गौरेला विकासखण्ड जिला जीपीएम के 2 गांव में संचालित है। शिक्षा के साथ – साथ बच्चों के लिए खिलौने एवं छः स्थान पर छोटी लाईब्रेरी की स्थापना की गई है जहां पर छोटी – टोटी कहानी किताबों के माध्यम से बच्चे पढाई करते है

कम्युनिटी लिर्निंग सेंन्टर में शिक्षा प्राप्त करते हुए बच्चे

संचालित कम्युनिटी लर्निंग सेंन्टर एवं लाभांवित बच्चे–

क्र.	गांव का नाम	ब्लाक	जिला	लाभांवित बच्चोंकी संख्या प्रतिदिन
1	सलिहाभाठा	पोडी उपरोडा	कोरबा	35
2	बरौदखार	पोडी उपरोडा	कोरबा	28
3	सरभोका	पोडी उपरोडा	कोरबा	30
4	महराजी	कसडोल	बलौदा बाजार	40
5	खोसडा	कसडोल	बलौदा बाजार	35
6	देवरगांव	गौरेला	जीपीएम	30
7	चुकतीपानी	गौरेला	जीपीएम	35
8	घुनघुटटीपारा	पाली	कोरबा	30
9	सिल्ली	पाली	कोरबा	30
10	बापापुती	पाली	कोरबा	35
11	बोईदा	पाली	कोरबा	30
				368

संस्थान द्वारा विभिन्न सेन्टरों में प्रतिदिन लगभग – 368 बच्चे लाभांवित हो रहे है।

कुपोषित बच्चों के लिए प्रतिदिन मिल्क एवं पौष्टिक आहार का वितरण –

कम्युनिटी लर्निंग सेन्टर में बच्चों को शिक्षा के साथ कुपोषण को दूर करने के लिए संस्थान द्वारा प्रतिदिन पौष्टिक आहार एवं 3 सेन्टर सलिहाभाठा,बरौदखार एवं सरभोका में दूध भी प्रदान किया जा रहा है।

क्र.	गांव का नाम	ब्लाक	जिला	लाभांवित बच्चोंकी संख्या प्रतिदिन
1	सलिहाभाठा	पोडी उपरोडा	कोरबा	35
2	बरौदखार	पोडी उपरोडा	कोरबा	28
3	सरभोका	पोडी उपरोडा	कोरबा	30
4	महराजी	कसडोल	बलौदा बाजार	40
5	खोसडा	कसडोल	बलौदा बाजार	35
6	देवरगांव	गौरेला	जीपीएम	30
				198

संस्थान द्वारा विभिन्न सेन्टरों में प्रतिदिन लगभग –198 बच्चे लाभांवित हो रहे है।

निःशक्तजनो के अभिभावकों को प्रशिक्षण – निःशक्जनों के अभिभावको को पीडब्लूडी एक्ट एवं निःशक्तजनों के लिए सरकार द्वारा चलाये जा रहे विभिन्न लाभकारी योजनाओ की जानकारी देने के लिए अभिभावक प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया ।
जिसमें 35 निःशक्तजन एवं अभिभावक लांभावित हुए ।

जैविक खेती एवं जैविक किटनाशक निर्माण पर प्रशिक्षण – संस्थान द्वारा ग्रामीण एवं किसानों को जैविक खेती पर प्रशिक्षण प्रदान कर जैविक खेती को अपनाने को प्रोत्साहित करने शिविर का आयोजन किया गया । शिविर के माध्यम से किसानो एवं ग्रामीणों को पौष्टिक आनाज के लिए मोटे आनाज कोदो कुटकी,मिलेट की खेती करने के लिए प्रोत्साहित किया गया इसके उपयोग से कुपोषण की समस्या को दूर करने में मदद मिलेगी वहीं शिविर में जैविक खाद ,जैविक किटनाशक दवाई बनाने की तकनीक को बडे सरल एवं सहज तरीके से समझाया गया है ।
जैविक खेती प्रशिक्षण में 60 किसान एवं ग्रामीण जन लाभांवित हुए ।

घरेलू हिंसा एवं अंर्तराष्ट्रिय महिला दिवस पर सम्मेलन – अंर्तराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिला सम्मेलन का आयोजन किया गया था। जिसमे बडी संख्या में महिलाओं ने भाग लिए । इस अवसर पर महिलाए अपनी अपनी समस्याओं उनकी समाधान पर कानून सम्मत विचार रखा गया । महिलाओ ने घरेलू हिन्सा पर कानूनी कार्यवाही के तरीको पर भी चर्चा किया गया।
इस अवसर पर 135 महिलाए सम्मेलन में भाग लेकर विभिन्न प्रकार की कानूनी एवं शासकीय योजनाओं की जानकारी प्राप्त कर लाभांवित हुए ।

अनुसूचित जाति ,जनजाति तथा पिछडी जाति के क्षेत्रों में विस्तृत समुचित ग्रामीण विकास कार्यक्रम का संचालन करने के निम्न कार्यक्रम चलाया गया –

किशोरी बालिकाओ के लिए हाई स्कूल में निःशुल्क सेनेटरी वेन्डिग मशीन का इस्टालेशन –

संस्थान अपने उददंश्य की पूर्ति के लिए ग्रामीण क्षेत्रों में समुचिज विकास कार्यक्रम के तहत ग्राम गुरसिया हाई स्कूल एवं पोडी उपरोडा बालिका स्कूल में बालिकाओं की सुविधा के लिए निःशुल्क वेनिङग मशी लगाया गया । जिसमें प्रतिदिन 30–35 बालिकाए लाभांवित हो रही है ।

महिला संगठनों व महिला स्वयं सहायता समूहो को विभिन्न योजनओं के क्रियान्वयन पर प्रशिक्षण –

परियोजना क्षेत्र कोरबा जिले के पोडी उपरोडा विकास खण्ड ,कसडोल विकासखण्ड जिला बलौदा बाजार व गौरेला विकासखण्ड जिला जीपीएम के विभिन्न गांवों में महिला संगठनों व महिला स्वयं सहायता समूह के साथ बैठक किया गया।

बाजार डांड ,गौरेला जिला जीपीएम महिला संगठनो के चर्चा करते हुए

बैठक में मुख्य रूप से प्रवासी मजदूरों की समस्या के निराकरण के संदर्भ में चर्चा किया गया । संगठनों को मजबूत करने के सबंध चर्चा किया गया। वहीं शास किय योजनाओं की जानकारी प्रदान की गई । महिलाओं को विशेष रूप से ग्राम सभा में भाग लेने के प्रेरित किया गया ।

महिला स्वयं सहायता समूह व जन संगठनो को मनरेगा ,जॉब कार्ड ,पेन्शन के बारे में सविस्तार से बताया गया । स्वय सहायता समूह की महिलाओं को बुक किपिंग ,बचत के तरीकों व डाक्यूमेन्टेशन के बारे में जानकारी दी गई । परियोजना क्षेत्र में कोरबा ,बलौदा बाजार व पेण्ड्रा गौरेला मरवाही जिले में 236 महिलाओं व संगठन प्रमुख ने भाग लेकर लाभांवित हुए ।

<u>पारम्परिक खादय पदार्थ कोदो मडिया बीज का वितरण एवं किचन गार्डन का प्रशिक्षण–</u>

संस्थान द्वारा पोडी उपरोडा विकास खण्ड के ग्राम सलिहाभाठा में ग्राम विकास समिति जन संगठनो के लोगो को पौष्टिक परम्परागत खादय पदार्थ कोदो मडिया की देशी बीज का वितरण किया गया है। किसानों को कोदो और मडिया लगाने का प्रशिक्षण भी दिया गया । प्रशिक्षण में बताया गया कि कोदो व मड़िया हमारे लिए कितना उपयोगी है । कुपोषण को दूर करने के लिए इसका चावल तैयार कर खुद और बच्चों को इसका पोष्टिक आनाज खिलाना आवश्यक है।
पोडी उपरोडा के 3 ग्राम पंचायत सलिहाभाठा ,सरभोका ,रिंगनिया और मानिकपुर ग्राम पंचायत के बरौदखार के 150 किसानों को कोदो मडिया बीज का वितरण किया गया।
इसी तरह महराजी ,ग्राम खोसडा व दलदली विकासखण्ड कसडोल जिला – बलौदा बाजार व ग्राम चुकतीपानी ,बाजारडांड,बनझोरखा गौरेला विकासखण्ड जिला जीपीएम में किसानों को कोदो मडिया के बीज का वितरण किया गया । 450 से अधिक किसान कोदो व मडिया की खेती का लाभांवित हुए है।

परियोजना क्षेत्र में जन संगठन ,महिला किसानों व स्वयं सहायता समूहो को किचन गार्डन का प्रशिक्षण दे कर उन्हे बीज का वितरण किया गया। 300 से अधिक महिलाओं ने अपने खेतो व बाडी में बीज का रोपड कर खेती किये । महिलो ने बताया कि इस वर्ष शासन द्वारा प्रति वर्ष दिये जाने वाला बीज किसानों को नहीं दिया गया था। जिस कारण क्षेत्र के किसान फल व सब्जी नहीं लगा पाये थे।

जैविक खेती एवं एस.आर.आई पद्वति से खेती का प्रशिक्षण –

ग्राम सलिहाभाठा पोडी उपरोडा जिला कोरबा में किसानों को स्थाई आजीविका के लिए जैविक खेती व एसआरआई पद्वति से खेती करने के तरीको को सिखाने के लिए एक दिवसीय प्रशिक्षण दिया गया। एस,आर,आई पद्वति से खेती से किसान कम समय में बहुत जल्दी ही एक हेक्टेयर जमीन पर 10 लोगो का समूह 5–6 घण्टे में पूरी तरह से रोपाई कर सकते है । इस अवसर पर नव रचना समाज सेवी संस्था के डायरेक्टर श्री देवजीत नंदी व उनकी टीम के सदस्यों ने किसानो को खेती करने के तरीको को सीखाया । श्री देवजीत जी ने बताया कि रस्सी के सहारे से 14–14 इंच की दूरी में एक क्रम से लगाया जाता है जिससे धान की पैदावार अधिक होती है।

अब तक 150 महिला किसान प्रत्यक्ष रूप लाभांवित हुए है।

किसानों को एस.आर.आई.खेती का प्रशिक्षण देते हुए श्री देवजीत नंदी जी ग्राम –सलिहाभाठा

महिला किसान श्रीमती संतोषी मरकाम के खेत में एस.आर.आई पद्वति द्वारा खेती करते हुए

इसी तरह जीपीएम जिले के गौरेला विकास खण्ड के ग्राम चुकतीपानी तथा ग्राम दलदली व ग्राम महराजी कसडोल विकासखण्ड जिला बलौदा बाजार में किसानों को जैविक खेती व एस.आर.आई. खेती का प्रशिक्षण दिया गया। 60 किसानों ने एस,आर,आई,खेती को अपना कर समय,श्रम व पैसों की बचत करने का निर्णय लिया है।

किसानों को एस.आर.आई.पद्वति से खेती करना सिखाते हुए

एस.आर.खेती से उपज धान का दृश्य –ठाड़पथरा ,गौरेला जिला –जीपीएम

किचन गार्डन का प्रशिक्षण –आजीविका को बढ़ाने परियोजना क्षेत्र में ग्रामीणों ,जन संगठनों व महिला स्वयं सहायता समूह के लागों को देसी बीज का वितरण कर उन्हे प्रश्क्षिण दिया गया । बड़े पैमाने पर परियोजना क्षेत्र के लोगो ने अपने बाडी में किचन गार्डन लगा कर फल व सब्जी का उत्पादन किया गया।

-

155 महिलाए एवं किसान लाभांवित हुए ।

000